



पृष्ठ संख्या 2

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक: राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्ष: 02

अंक: 17

पृष्ठ: 4

जयपुर, गुरुवार 7 दिसम्बर, 2023

मूल्य: 05 ₹.

वार्षिक मूल्य: 150 ₹.

राजस्थान में कौन होगा अगला मुख्यमंत्री?

जयपुर (संस्कार सृजन)। राजस्थान विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को पछड़कर 115 सीटों पर जीत हासिल करने वाली भारतीय जनता पार्टी में अब मुख्यमंत्री पद पर नाम फाइनल करने को लेकर कवायद चल रही है। भाजपा ने राजस्थान में बहुमत से जीत हासिल की है, लेकिन अभी तक मुख्यमंत्री कौन होगा इस पर फैसला नहीं हुआ है। राजस्थान में हर किसी की जुबान पर चर्चा है कि मुख्यमंत्री के नाम का सस्पेंस कब खत्म होगा। प्रदेश का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? इस चर्चा पर पूर्ण खिराम लगाने के लिए आज दिल्ली में संसदीय बोर्ड की बैठक होने जा रही है। उम्मीद जताई जा रही है कि इस बैठक में मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला हो जाएगा। वहीं, आज गुरुवार को बाबा बालकनाथ ने भी सांसदी छोड़ दी है। उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया है। इससे एक दिन पहले बुधवार को दिया कुमारी, राज्यवर्धन



किसके सिर सजेगा मुख्यमंत्री का 'ताज'

सिंह राठौड़ और किरोड़ी लाल मीणा ने अपना इस्तीफा दे दिया था। वहीं, बाबा बालकनाथ ने लोकसभा स्पीकर को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। वहीं, बीजेपी ने सभी एमपी को सदन में पहुंचने के निर्देश जारी किए हैं। संसदीय बोर्ड की इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीत को लेकर सम्मान भी किया जाएगा। बताया जा रहा है कि इस बैठक में तीनों राज्यों को लेकर चर्चा की जाएगी।

भाजपा ने राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ तीनों ही राज्यों में बहुमत से जीत हासिल की है, लेकिन कहीं भी मुख्यमंत्री के चेहरे को उजागर नहीं किया गया है। तीनों ही राज्यों में प्रधानमंत्री मोदी और कमल के फूल को आगे रखकर ही चुनाव लड़ा गया है। अब संसदीय बोर्ड की बैठक में उम्मीद जताई जा रही है कि राजस्थान के साथ-साथ बाकी दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला आज हो जाएगा।

चौमूं एसबीआई बैंक ने किया 60 पेंशनर्स का फ्री हेल्थ चेकअप

चौमूं (संस्कार सृजन)। शहर के लक्ष्मीनाथ चौक स्थित एसबीआई बैंक की ओर से पेंशनर्स फ्री हेल्थ शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में 60 पेंशनर्स का फ्री हेल्थ चेकअप किया गया। शिविर में बराला हॉस्पिटल के डॉ. राजपाल एवं उनकी टीम द्वारा फ्री चेकअप किया गया। इस मौके पर पेंशनर्स मंच उप शाखा अध्यक्ष राधेश्याम यादव, राजेंद्र प्रसाद काला, रामपाल कुमावत, सीताराम बुनकर, सुशीला कुमावत, वैद्य रामविलास शर्मा का सम्मान किया गया। बैंक शाखा प्रबंधक परितोष कुमार, क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर के मुख्य



प्रबंधक अशोक मीणा एवं शाखा वरिष्ठ प्रबंधक डिंपल लोकवाणी ने बैंक संबंधी

पेंशनर्स के कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

पूर्व जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के जन्मदिन पर विद्यार्थियों को वितरित की चरण पादुका

अलवर (संस्कार सृजन)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कनेटी, पीनान पंचायत समिति, अलवर जिले में रक्तकोष फाउंडेशन की ओर से अलवर के पूर्व जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के जन्मदिन के उपलक्ष्य पर प्राथमिक कक्षाओं के छात्रों को चरण पादुका वितरित की गई। रक्तकोष फाउंडेशन से रोहित शर्मा ने बताया बताया

अलवर जिले के पूर्व जिला कलेक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी द्वारा शुरू की गई चरण पादुका अभियान के अंतर्गत अभी तक 3 लाख से भी अधिक चरण पादुका जख्तरतमंद को वितरण किए गए। चरण पादुका अभियान अभिनव प्रयासों से लंबे समय से चलाया हर नंगे पाँव को मिले चरण पादुका। इस अवसर पर निर्मला कुमारी मीना प्रधानाचार्या, गोविन्द लपाला, शिवदयाल मीना, सन्दीप कुमार, कुसुम कुमार, लालू राम मीना, अनिल कुमार शर्मा, गुड्डि मीना, रामपाल मीना, बनवारी लाल मीना, स्वाति जैन सहित विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।



जयपुर में खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का हुआ भव्य शुभारम्भ

जयपुर (संस्कार सृजन)। रामदास शर्मा पूर्व सदस्य खादी और ग्रामोद्योग आयोग, भारत सरकार ने कहा कि खादी देश की पहचान है। युवा वर्ग खादी को अपनाकर देश में सुखद बदलाव ला सकता है। रामदास शर्मा ने मंगलवार को बजाज नगर में राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ, जयपुर द्वारा लगाई गयी खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी 2023-24 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि खादी हानिकारक रसायन रहित और पर्यावरण हितैषी वस्त्र है। साथ ही खादी आत्मनिर्भर भारत की ओर एक बढ़ती कदम भी है। उन्होंने कहा कि खादी मेक इन इंडिया की पहली उपज थी। खादी अब युवाओं को रास आ रही है और देश के साथ विदेशों में भी लोकप्रियता बढ़ रही है। उन्होंने कहा इन प्रदर्शनों से न केवल उत्पादकों को बाजार मिलता है, वहीं उपभोक्ताओं को भी अच्छे उत्पाद के चयन में आसानी होती है। रामदास शर्मा ने कहा कि भारत सरकार का कर्तित, बुनकर व खादी से जुड़े हर हाथ को सुदृढ़ बनाने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को मंशा खादी की लोकप्रियता बढ़ाने व आमजन तक इसकी पहुंच सुलभ करने की है। राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ के मंत्री एवं खादी प्रदर्शनी के संयोजक अनिल शर्मा ने बताया कि 05 दिसंबर से प्रारंभ हुई यह प्रदर्शनी 13 जनवरी 2024 तक संचालित की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह प्रदर्शनी पिछले 13 वर्षों से निरंतर लगाई जा रही है। इस प्रदर्शनी में कुल 175 स्टाल लगाई जा रहे हैं, जिनमें से 115 स्टाल खादी व 60 स्टाल ग्रामोद्योग उत्पाद की हैं। इस अवसर पर राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ उपाध्यक्ष राजेंद्र भंडारी, राजेंद्र कुमार अग्रवाल सहायक मंत्री, राजस्थान प्रदेश की खादी संस्थाओं के पदाधिकारी सहित भारी संख्या में आमजन व अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

निरोजा ग्रीन इंडिया परिवार फाउंडेशन के द्वारा किंग जनरल डॉ. सम्फुद का किया भव्य स्वागत

चंपारण (संस्कार सृजन)। निरोजा ग्रीन इंडिया परिवार फाउंडेशन के विशेष आग्रह पर कुईई मुलवर्मन इंडोनेशिया राजपरिवार एवं थाईलैंड के मूल निवासी एच.आर.एम. किंग जनरल जीएम प्रोफेसर दातो सेरी डॉ. सम्फुद रथफट्टया एवं उनकी धर्म पत्नी एच.आर.एम. क्रीन डेंटिन सेरी, डॉ. युवेरी यानाटोचो का कुशीनगर स्थित होटल में भव्य स्वागत किया गया। एच.आर.एम. किंग जनरल, जीएम प्रोफेसर दातो सेरी डॉ. सम्फुद रथफट्टया एवं उनकी धर्म पत्नी एच.आर.एम. क्रीन डेंटिन सेरी डॉ. युवेरी यानाटोचो ने कार्यक्रम में देश की विशिष्ट प्रतिभाओं को सर्टिफिकेट ऑफ एक्सिलेंस से सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने भारत देश एवं यहाँ के लोगों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सैकड़ों वर्ष पूर्व हमारे पूर्वज भी हिंदू थे। उन्होंने भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता की मुखर होकर तारीफ की। राजा और रानी दोनों डॉ. नीरज गुप्ता के कार्य एवं विचारों से प्रभावित हुए। साथ ही सौहार्द शिरोमणि डॉक्टर सौरभ पांडे के प्रति शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर निरोजा ग्रीन इंडिया परिवार फाउंडेशन की अंतर्राष्ट्रीय महिला निदेशक पूजा गुप्ता,



वरिष्ठ पत्रकार सह अध्यक्ष मंदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट डॉ. अमानुल हक, समाजसेवी सद्दाम हुसैन के साथ सौहार्द शिरोमणि डॉक्टर सौरभ पांडे, अमन राज, यस राज, सिमरन राज, शालिनी राज को सम्मानित किया गया एवं ऑनलाइन संस्करण में निरोजा ग्रीन इंडिया परिवार फाउंडेशन के राष्ट्रीय सचिव शिव शंकर अदानी महाराष्ट्र, डॉ. बी एल यादव दिल्ली एवं एस बी सागर प्रजापति अयोध्या को सम्मानित किया गया।

डॉक्टर गुलाब चंद पटेल महामना मानस संतति सम्मान से हुए सम्मानित

गुजरात (संस्कार सृजन)। डॉ. सत्या होप टोक, सर्व शिक्षा अभियान एवं व्यक्तित्व विकास परिषद के स्थापक डॉ. सत्य प्रकाश वैज्ञानिक, काशी हिन्दू विश्व विद्यालय वाराणसी द्वारा महा माना मानस संतति सम्मान से प्रसिद्ध हिन्दी गुजराती साहित्यकार डॉक्टर गुलाब चंद पटेल को सम्मानित किया गया है। इसके साथ पटेल सामाजिक कार्यकर्ता, नशा मुक्ति अभियान प्रणेता, ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता अभियान



और आत्महत्या निवारण जागृति अभियान चलाते वाले निशुल्क ज्ञान शाला के संचालक और शिक्षक अध्यक्ष भारत माता अभिनंदन संगठन गुजरात भी हैं। खम्भोलज साहित्य सेवा संस्था गुजरात के राष्ट्रीय अध्यक्ष शैलेश वाणीया द्वारा और भारत माता अभिनंदन संगठन हरियाणा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पी डी मित्तल एग्जिक्यूटिव भिवानी हरियाणा द्वारा हार्दिक बधाई प्रदान की गयी है।

संपादकीय

जनादेश में शुमार सजा और संदेश

के चंद्रशेखर राव द्वारा तेलंगाना में बनाया गया साम्राज्य आखिरी रविवार को डह गया। हालांकि, उन्होंने एक उल्लेखनीय जन-आंदोलन का नेतृत्व किया था और साल 2014 में सत्ता में आए थे, पर उनका जादू एक दशक तक ही चल सका। कोई शक नहीं कि तेलंगाना ने के.सी.आर और उनकी भारत राष्ट्र समिति या बीआरएस को भाई-भतीजावाद, भ्रष्टाचार और उन तक मुस्किल पहुँच के लिए दंडित किया है। यह धारणा बन गई थी कि वह राज्य के ग्रामीण हिस्सों की अनदेखी कर रहे हैं और लोगों ने उन्हें किनारे लगा दिया। के.सी.आर के शासन को हटाने और उनकी जगह किसी ऐसे व्यक्ति को लाने का जनता का दृढ़ संकल्प था, जो उसे बेहतर प्रशासन दे सके। चूँकि लोगों की इच्छा पूरी करने में कांग्रेस सबसे करीब थी, इसलिए उन्होंने इस पार्टी को चुना है। रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस ने कुशलता दिखाई और एक आक्रामक चुनाव अभियान चलाया, जो अंततः उन्हें सत्ता में ले आया। दरअसल, के.सी.आर राव ने खुद को अपने बैरिकेड फॉर्म हाउस तक समेट लिया था और अपने चुनाव क्षेत्र की जनता व मतदाताओं से कट गए थे। इससे निश्चित रूप से आम लोग नाराज हुए और उन पर आरोप लग गया कि वह एक 'फॉर्म हाउस मुख्यामंत्रि' हैं। वह ज्योतिष पर कुछ ज्यादा ही यकीन करने लगे थे और उन्हें ग्रह-सितारों के कथित इशारों की बुनियाद पर फैसले लेते देखा जाने लगा था। ऐसा लगता है, राज्य की मुस्लिम आबादी, जिनमें से अधिकांश राजधानी हैदराबाद में केंद्रित है, ने भाजपा के साथ कथित गठजोड़ को मंजूर नहीं किया। संसद में अनेक मौकों पर विवादास्पद विधेयकों का समर्थन करके बीआरएस ने भाजपा का समर्थन ही किया था। शराब घोटाले के संदर्भ में के.सी.आर की बेटी कविता से प्रवर्तन निदेशालय द्वारा पूछताछ और यहाँ तक कि गिरफ्तार किए जाने की आशंका थी, पर ऐसा कभी नहीं हुआ। कहीं न कहीं बीआरएस और भाजपा के बीच तालमेल की संभावना दिखती रही, इससे भी तेलंगाना में बीआरएस पर लोगों का संदेह बढ़ा। इन संदेहों को तब और बल मिला, जब भाजपा के राज्य प्रमुख के पद पर आक्रामक नेता बंदी संजय कुमार की जगह पर अचानक ही ज्यादा विनम्र नेता उत्तम कुमार को बैठा दिया गया। संजय कुमार के.सी.आर और उनके शासन के खिलाफ मुखरता से प्रचार अभियान चला रहे थे और स्थानीय मतदाताओं का विश्वास हासिल करने में कामयाब होने लगे थे। उन्हें एक स्थानीय नायक के रूप में देखा जाने लगा था। उन्हें एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा जा रहा था, जो भाजपा को शीर्ष पर पहुँचा सकता था। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक रैली में घोषणा की कि के.सी.आर भाजपा के साथ हाथ मिलाते हैं, पर उन्होंने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। तब इस संदेह को और बल मिला कि बीआरएस व भाजपा के बीच कोई गुप्त समझौता है।



अपनी मॉर्निंग डाइट को बनाये हेल्दी

रात में अच्छी नींद लेने और 8-9 घंटे की फास्टिंग के बाद जब हम उठते हैं, तो हमारे शरीर को तमाम तरह के पोषक तत्वों की जरूरत होती है। ऐसे में, हमें हेवी लेकिन हेल्दी ब्रेकफास्ट करने की जरूरत होती है। अक्सर आपने सुना होगा कि हमें डिनर लाइट और ब्रेकफास्ट हेवी करना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि रात में जब हम सोने जाते हैं, तो हमारे शरीर का मेटाबॉलिज्म रैटो हो जाता है, जिसके कारण यदि हम हेवी डिनर करते हैं, तो उसके पाचन में समस्या आ सकती है और हमें पेट संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, रात में अच्छी नींद लेने और 8-9 घंटे की फास्टिंग के बाद जब हम उठते हैं, तो हमारे शरीर को तमाम तरह के पोषक तत्वों की जरूरत होती है। ऐसे में, हमें हेवी लेकिन हेल्दी ब्रेकफास्ट करने की जरूरत होती है। आमतौर पर लोग हेवी ब्रेकफास्ट करने के चक्कर में अनहेल्दी तली-धुनी चीजें खा लेते हैं, जिसके कारण उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से जूझना पड़ता है। वहीं, कुछ लोग ऐसे भी हैं जो हेल्दी ब्रेकफास्ट में कई सारे ऑप्शंस होने के कारण कम्प्यूज हो जाते हैं।



अमूल्य ज्ञान का बोध

* सोलह संस्कार

1. गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6. निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मूंडन संस्कार 9. कर्णविधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

* अष्ट सिद्धि

1. अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लधिमा . 5. प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वीशित्व

* नव निधियां

1. पंच निधि 2. महापंच निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6. मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

* 27 नक्षत्र

1. आश्विन, 2. भरणी, 3. कृतिका, 4. रोहिणी, 5. मृगशिरा, 6. आर्द्रा 7. पुनर्वसु, 8. पुष्य, 9. आश्लेषा, 10. मघा, 11. पूर्वा फाल्गुनी, 12. उत्तरा फाल्गुनी, 13. हस्त, 14. चित्रा, 15. स्वाति, 16. विशाखा, 17. अनुराधा, 18. ज्येष्ठा, 19. मूल, 20. पूर्वाषाढा, 21. उत्तराषाढा, 22. श्रवण, 23. धनिष्ठा, 24. शतभिषा, 25. पूर्वा भाद्रपद, 26. उत्तरा भाद्रपद और 27. रेवती

* 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12. मीन

* नवग्रह

1. सूर्य 2. चंद्र 3. मंगल 4. बुध 5. बृहस्पति 6. शुक्र 7. शनि 8. शू 9. कर्तु

* चार वेद

1. ऋग्वेद 2. यजुर्वेद 3. सामवेद 4. अथर्ववेद

* सप्त ऋषि

1. विश्वामित्र 2. विश्वामित्र 3. कण्व 4. भारद्वाज 5. अत्रि 6. वामदेव 7. शौनक

* 18 पुराण

1. ब्रह्म पुराण 2. पंच पुराण 3. विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण) 5. भागवत पुराण 6. नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8. अग्नि पुराण 9. भविष्य पुराण 10. ब्रह्मवैवर्त पुराण 11. लिंग पुराण 12. वाराह पुराण 13. स्कन्द पुराण 14. वामन पुराण 15. कूर्म पुराण 16. मत्स्य पुराण 17. गरुड पुराण 18. ब्रह्मण्ड पुराण

* सोलह श्रृंगार

1. बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. घुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. सान

वेटलॉस पर हैं और चाट खाने का मन है, तो ट्राई करें 'कॉलीफ्लॉवर ओट्स चाट' रेसिपी

आगर आप अपनी इस वेटलॉस जर्नी में जमकर मेहनत कर रही हैं, लेकिन फिर भी आपके टेस्ट बड्स लगातार चाट की पुकार कर रहे हैं, तो आप फूलगोभी और ओट्स को हेल्दी और टेस्टी डिश बनाकर खा सकती हैं। सदी एक मिले-जुले मौसम के रूप में हमारे सामने आती है। ठंड के दिनों में कुछ लोग ऐसे होते हैं, जिनके लिए बिस्तर सबसे प्रिय चीज बन जाती है और आलस्य उनका सबसे अच्छा साथी। वहीं, दूसरी ओर व्यायाम करने और तमाम शारीरिक गतिविधियों को नए आयाम तक पहुंचाने के लिए कई लोगों के लिए सदी एक 'आईडियल वेदर' है। वहीं, अगर आपने भी अपने चंचल मन की आलस्य वाली पुकार को अमसुना कर के इस सदी अपना वजन कम करने की ठानी है, तो यह समझ लें कि यह समय आपके लिए बेशकीमती है। लेकिन वहीं, वजन कम करने जैसे बड़े सपने को पूरा करने के लिए आपको कई बड़ी चीजों की कुर्बानी भी देनी होगी, जिसमें बाजार में मिलने वाली चाट-पकोड़ों से जुदाई होना भी लागू है। लेकिन वहीं, अगर आप अपनी इस 'वेटलॉस' जर्नी में जमकर मेहनत कर रही हैं, लेकिन फिर भी आपके टेस्ट बड्स लगातार चाट की पुकार कर रहे हैं, तो आप 'फूलगोभी और ओट्स' की हेल्दी और टेस्टी डिश बनाकर खा सकती हैं।

वेटलॉस के लिए फायदेमंद हैं फूलगोभी और ओट्स-नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन की एक रिपोर्ट के अनुसार, फूलगोभी फाइबर का एक अच्छा स्रोत होती है जो मेटाबॉलिज्म टेस्ट को रूठो कर देती है। जिससे व्यक्ति को लंबे समय तक पेट भर होने या भरपूरता का अहसास होता है। जिसके कारण व्यक्ति ओवरईटिंग करने से बचा रहता है और उसके वजन में वृद्धि नहीं होती। इसके साथ ही रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि फूलगोभी आपके द्वारा दिन भर में खाई जाने वाली कैलोरी की संख्या को काफी मात्रा में कम करने में मदद करता है, जो वजन नियंत्रण के लिए भी एक महत्वपूर्ण कदम है।



मसालों की हैवी डोज भी चाय को बना देती है अनहेल्दी

आपमें से ज्यादातर लोग चाय पीते होंगे, ऑफिस के दोस्तों के साथ टी ब्रेक लेना, शाम को बॉरियट महसूस होने पर चाय पीना, यहाँ तक की चाय की प्याली पकड़े बिना कुछ लोग सुबह बिस्तर से उठ भी नहीं पाते। असल में चाय बनाने का सही तरीका है पत्तियों को पानी में उबालना। परंतु बात यदि भारतीय चाय की करें, तो हम बिना दूध की चाय को चाय ही नहीं मानते। वहीं इसे बनाते हुए कई ऐसी गलतियाँ कर देते हैं, जिसका खामियाजा बेहद नकारात्मक हो सकता है। इसलिए यह समझना बहुत जरूरी है, कि हम अपनी नियमित चाय को बनाने में आखिर ऐसी क्या गलती कर रहे हैं, और फौरन गलतियों में सुधार करने पर ध्यान दें। वेबलैस इंटरनेट, डॉक्ट्रियन लवलीन चौर ने अपने इंटरग्राम पोस्ट के जरिए चाय पीने का सही तरीका, चाय बनाने के दौरान की जाने वाली कुछ कॉमन मिस्टेक्स बताए हैं। तो चलिए जानते हैं ऐसी की

कुछ गलतियों के बारे में।

यहाँ जानें चाय से जुड़ी बार-बार दोहराए जाने वाली गलतियाँ

1. **सुबह खली पेट चाय पीना**-बहुत से लोगों को अपनी नींद तोड़ने और सुबह तरोताजा महसूस करने के लिए सुबह उठते के साथ चाय पीने की आदत होती है। सुबह-सुबह हमारा पेट खाली होता है और खाली पेट चाय पीना आपको सेहत के लिए बिल्कुल भी उचित नहीं है। न्यूट्रीशनिस्ट के अनुसार सुबह के वक हमारा पेट बिल्कुल छोटे नर्म हरे घास की तरह होता है, जिन पर ओस की बूँद गिरी होती है और हम इनपर बिल्कुल सुबह दूध और पत्तियों के कॉम्बिनेशन से बनी, गर्मा-गर्म चाय डाल देते हैं। जिससे कि हमारा पेट पूरे दिन परेशान रहता है। वहीं आप पूरे दिन चाय पीते हैं हेल्दी खा ले शरीर में पोषक तत्वों का अवशोषण सही रूप से नहीं हो पाता। वहीं सुबह खाली पेट चाय पीने से

मेटाबॉलिज्म प्रक्रिया धीमी हो जाती है, इसकी वजह से अपच, ब्लोटिंग, कब्ज जैसी अन्य पाचन संबंधी समस्या आपको परेशान कर सकती है। इसलिए सुबह भूल कर भी खाली पेट चाय न पिएं, कोशिश करें कि इसे शाम के ब्लैक्स के साथ लिया जाए।

2. **चाय की पत्ती, मसाले और दूध को एक साथ उबालना**-प्रभावी और हेल्दी ढंग से चाय बनाने के लिए सभी सामग्रियों को एक साथ उबालने से बचें। पानी में चाय की पत्ती, हर्ब्स जैसे की इलाइची, तुलसी और अदरक डालें, सभी को एक साथ उबलने दें। चाय को ज्यादा देर तक उबालना भी उचित नहीं है, इसलिए इन्हें थोड़ी देर उबालें। फिर इसे छान कर अलग कर लें और ऊपर से गर्म दूध डालें। इसे मिलाएं और एजेंट करें। चाय की सबसे बुरी बात यह है की ज्यादातर लोग इसमें मिठ्ठास जोड़ने के लिए भरपूर मात्रा में रिफाईंड शुगर का इस्तेमाल करते हैं।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिकल



अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवाचक पंडित रविन्द्राचार्य

आप किसी जरूरतमंद मित्र को आर्थिक सहायता भी प्रदान कर सकते हैं। व्यापारियों को विदेशी स्रोतों से भी धन प्राप्त होगा। सीनियर सिटीजन को सांस संबंधी परेशानी हो सकती है लेकिन कोई बड़ी मेडिकल परेशानी आपको परेशान नहीं करेगी।

कर्क राशि - लव संबंधी परेशानियों को बिना देर किए हल करना चाहिए। ऑफिस में छोटी-मोटी दिक्कों के बावजूद आप अच्छे प्रदर्शन करेंगे और संतोषजनक परिणाम लाएंगे। धन को चतुराई से संभालें जबकि आपका स्वास्थ्य भी अच्छे रहेगा। आपको क्षमता पर भरोसा करते हुए संस्थान आपको काम सौंपेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि आप उन्हें अपनी क्षमता प्रदर्शित करने के अवसर के रूप में लें।

सिंह राशि - अपने पार्टनर की फीलिंग्स के प्रति संवेदनशील रहें। किसी भी असहमति को झगड़े में न बदलने दें जिससे खराब स्थिति पैदा हो सकती है। कार्यस्थल पर समझदार बनें और यह भी ध्यान रखें कि आप सभी पेशेवर मुठों को मेहनत से हल करें। टीम मीटिंग्स में राय देने में संकोच न करें। कोई बड़ा आर्थिक मसला आपको परेशान नहीं करेगा। साथ ही पिछला निवेश सौभाग्य लाएगा। इससे लंबे समय से संजोए सपनों को पूरा करने की आपकी स्थिति भजवत होगी।

कन्या राशि - जब पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ दोनों की बात आती है तो आप संवेदनशील और समझदार होते हैं। आप भी स्वस्थ रहेंगे। अपने पार्टनर की फीलिंग्स के प्रति संवेदनशील रहें। किसी भी असहमति को झगड़े में न बदलने दें जिससे खराब स्थिति पैदा हो सकती है। कुछ आइटी पेशेवर और स्वास्थ्य सेवा कर्मचारी नौकरी के उद्देश्य से विदेश जाएंगे। व्यापारियों को व्यावसायिक कार्यों के लिए विदेश से भी धन प्राप्त होगा।

तुला राशि - अपने लव पार्टनर की राय को हमेशा महत्व दें और इससे आपको रिश्ते को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। सांख्यिक एक्टिविटीज में शामिल होने समय ज्यादा सावधानी बरतें। रिश्ते में नई जान फूंकने के लिए हमेशा पार्टनर की तारीफ करें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहने की उम्मीद है। दवाएं न छोड़ें और सीनियर सिटीजन को जब भी जरूरी हो डॉक्टर से सलाह लेना चाहिए। महिलाओं को सिरदर्द, गले में दर्द या शरीर में दर्द की शिकायत हो सकती है।

वृश्चिक राशि - सौभाग्य से रिश्ता अच्छे रहेगा और कार्यस्थल पर आपको अपनी क्षमता व योग्यता साबित करने के अवसर प्राप्त होंगे। धन और स्वास्थ्य दोनों अच्छे हों। आपको ध्यान में पड़ने की उच्चल

संभावनाएं दिखाई दे सकती हैं। कार्यस्थल पर मेहनत करते रहें और इससे आपको उन महत्वपूर्ण कार्यों को संभालने में मदद मिलेगी जिनमें ज्यादा केयर और ध्यान की जरूरत होती है। छोटी-मोटी स्वास्थ्य परेशानियों के प्रति भी सतर्क रहें।

धनु राशि - आपके जीवन में एनर्जी और उत्साह के तेज हैं। आप अपने रास्ते में आने वाली किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए ज्यादा सहज, भावुक और आत्मविश्वासी महसूस करेंगे। आप रोमांच और जिज्ञासा की इच्छा से प्रेरित होंगे। कुछ सांख्यिक विचार कदम उठाने का साहस होगा और यह लाभदायक हो सकता है। किसी नई चीज पर जोखिम लेने के लिए प्रेरित हो सकते हैं।

मकर राशि - ग्रह स्थिति रोमांच और उत्साह से भरे एक सुखद सप्ताह का वादा करती है। आपको ऐसे अवसर प्राप्त होंगे जो आपके लक्ष्यों और इच्छाओं के अनुरूप होंगे, इसलिए सुनिश्चित करें कि जैसे ही वे आपके सामने आए, उन्हें पकड़ लें। अपनी राय व्यक्त करने से न कतराएं, लेकिन यह सुनिश्चित करें कि आप दूसरों के प्रति सम्मानजनक बने रहें। अपनी आर्थिक स्थिति में महत्वपूर्ण बदलाव देखेंगे। सितारे निवेश और मौद्रिक लाभ के लिए एक आशाजनक समय का सुझाव देते हैं।



कुंभ राशि - यह एक ऐसा समय है जब प्यार रोमांच और उत्साह की भावना के साथ आएगा। आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है जो आपको अपने कफर्ट जॉन से बाहर निकलने और नई चीजों को आजमाने की चुनौती देता है। आपका अपने पिछले निवेशों का प्रयासों का प्रतिफल मिलने की संभावना है। सितारे अच्छे स्वास्थ्य का संकेत दे रहे हैं। अपने मन और आत्मा को तरोताजा करने के लिए बाहरी गतिविधियों में शामिल रहें।

मीन राशि - सितारों का अनुमान है कि ये सप्ताह उन लोगों के लिए गेम-चेंजर हो सकता है जो लॉग पब्लिक से ही रिश्ते में हैं, उनके लिए अपने महत्वपूर्ण दूसरे पर विशेष ध्यान देने का समय आ गया है। अपने खर्चों पर नजर रखें और बेकार की चीजों पर धन खर्च से बचें।

मेघ राशि - लव लाइफ में खुश रहेंगे। अहंकार को लाइफ से दूर रखें और रिश्ते को प्रोडक्टिव बनाएं। समृद्धि आपको महत्वपूर्ण वित्तीय फैसला लेने में मदद करेगी। आपका स्वास्थ्य भी ठीक है। भाई-बहन के साथ आर्थिक विवाद सुलझाने के लिए आज का दिन अच्छा है। ऑफिस और पर्सनल लाइफ को बैलेंस बनाए रखें।

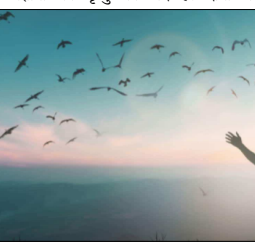
वृषभ राशि - एकस पाटनर के साथ लड़ाई-झगड़ा सुलझ सकता है। हालांकि ध्यान रखें कि यह आपके वर्तमान रिश्ते में प्रभाव न डालें। छात्र परीक्षाओं में सफल होंगे और नौकरी चाहने वालों को अच्छी नौकरी मिल सकती है। आर्थिक दृष्टि से ये समय आपके लिए लाभकारी है। आपका स्वास्थ्य ठीक है।

मिथुन राशि - पुराने रिश्ते में सुधार हो सकता है। कारोबारी नए सौदे करने और धन संकट से निपटने में सफल रहेंगे।

तृष्णा से मुक्त होना ही संसार से मुक्त होना है

हम में से प्रत्येक व्यक्ति संसार से मुक्त होने की इच्छा रखता है, लेकिन अपनी तृष्णाओं से मुक्त नहीं होता, उससे विरा रहता है। जब तक ये हमारे भीतर जीवित हैं, हम संसार से मुक्त नहीं हो सकते। इससे मुक्त होकर इस संसार से जाने पर दोबारा जन्म नहीं होता। वास्तव में तृष्णा से मुक्त होना ही संसार से मुक्त होना है। तुम अहंकार की ऊंचाइयों पर उठे और वहां भी तुमने भीतर धुंधला का ही वास पाया। तुम महलों में रहे, लेकिन तुम्हारे भीतर की वासना का भिखमंगापन नहीं मिटा। तुमने सब कमाया और तुमने पाया कि सब कमाना अपने को गंवाना है। बुद्ध निरंतर कहते हैं कि तुम तृष्णा से मुक्त हो जाओ, तुम संसार से मुक्त हो गए। तुम कोई कामना नहीं करो कि यह मुझे पूरा करना है। तुम जैसे हो वैसे होने से राजी हो जाओ, फिर तुम्हारा कोई जन्म नहीं होगा।

मर रहे हो और एक क्षण को तुमने विचार नहीं किया, लौट कर एक बार नहीं सोचा कि तुम क्यों इस जाल में फंसे हो। 'एक सयानी आपनी, परबस मुआ संसार।'



गुणात्मक फर्क है। चिकित्सक नहीं पहचान सकेगा इस फर्क को। अगर बुद्ध मर रहे हों, कबीर मर रहे हों और तुम मर रहे हो एक ही अस्पताल में और तुम चिकित्सक से कहो कि इनकी मृत्युओं में क्या फर्क है, चिकित्सक कोई फर्क नहीं बता सकेगा। चिकित्सक कहेंगे कोई भी फर्क नहीं है। इसकी हृदय की धड़कन भी समाप्त हो रही है, इसकी धास भी डूबी जा रही है, इसकी खुश की चाल खोई जा रही है-दोनों एक जैसे मर रहे हैं। कोई गुणात्मक भेद नहीं है।

लेकिन समझने की कोशिश करो। तुम्हारे और कबीर के मरने में गुणात्मक भेद है। वही कबीर कह रहे हैं 'एक सयानी आपनी, परबस मुआ संसार।' हम सयाने होकर मर रहे हैं, हम पूरे होकर मर रहे हैं। हम जान कर मर रहे हैं। तुम बिना जाने मर रहे हो। तुम बिना पूरे हुए मर रहे हो। तुम बिना सयाने हुए मर रहे हो। तुम बड़े होकर मर रहे हो, हम सयाने होकर मर रहे हैं-यह कबीर कह रहे हैं। तुम्हारी मृत्यु परबस है। तुम असहाय मर रहे हो। तुम चीख-पुकार करके मर रहे हो कि कोई सहाय दे दे, किसी तरह बच जाऊं, कोई दवा ईजाद हो जाए। आदमी मरता है, लेकिन मरना नहीं चाहता-परबस! तुम कितने उपाय करते हो न

मरने के; झूठी-सच्ची बातों पर भरोसा कर लेते हो। कोई ताबीज बांध लेता है, कोई कुछ कर लेता है। सब तरह से उपाय करते हैं कि बच जाएं। यह जो आदमी है, बूढ़ा हो तो गया, लेकिन सयाना नहीं हुआ। सयाना होने का तो अर्थ ही यह है कि तुम्हें यह पता चल जाए कि इस जीवन में कुछ है ही नहीं पाने योग्य जिसके लिए बचना जरूरी हो। सयाने होने का अर्थ तो यह है कि तुम सब वासनाओं को परख लो और उनमें कुछ सार न पाओ।

15 जनवरी 2024 को सूर्य का महागोचर, मेष व कुंभ समेत इन 5 राशि वालों के लिए एक महीना वरदान समान

गहनों के राजा सूर्य हर महीने अपनी राशि बदलते हैं। जनवरी 2024 में सूर्य मकर राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने के कारण मकर संक्रांति का विशेष महत्व है। 15 जनवरी 2024 को सूर्य मकर राशि में आएंगे। 15 मकर राशि में प्रवेश 15 जनवरी को सुबह 02 बजकर 54 मिनट पर होगा। सूर्य के मकर राशि में आने का प्रभाव सभी 12 राशियों पर देखने को मिलेगा, लेकिन कुछ राशियां ऐसी हैं जिन्हें सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे। सूर्य के मकर राशि में आने से मेष व कुंभ समेत कुछ राशि वालों की किस्मत चमक सकती है। जाने इन भाग्यशाली राशियों के बारे में-

मेष राशि- मेष राशि वालों के लिए सूर्य राशि परिवर्तन किसी वरदान से कम नहीं है। इस अवधि में आपको खुशियों के साथ करियर में नए

अवसरों की प्राप्ति होगी। आपके अटके हुए काम पूरे होंगे। सेहत में पहले से सुधार आएगा। अगर आप किसी महत्वपूर्ण निर्णय को लेना चाहते हैं तो यह समय अनुकूल रहने वाला है।

कर्क राशि- कर्क राशि वालों पर सूर्य गोचर का प्रभाव अनुकूल रहने वाला है। खास तौर पर आपके वैवाहिक जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। हालांकि इस अवधि में शादी-व्याह से जुड़े कार्यों में देरी हो सकती है। कामकाज या व्यापार से जुड़े कार्यों के लिए यह गोचर अनुकूल रहने वाला है। सेहत अच्छी रहने वाली है।

कन्या राशि- कन्या राशि के जातकों को सूर्य गोचर के प्रभाव से अपर्याप्त परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले जातकों को शुभ परिणाम मिल सकते हैं। टेक्नोलॉजी व रिसर्च से जुड़े लोगों को सफलता

मिल सकती है। लव लाइफ अच्छी रहेगी। धित में पहले से सुधार होगा।

वृश्चिक राशि- वृश्चिक राशि वालों के लिए सूर्य राशि परिवर्तन जीवन में चमत्कारिक बदलाव लेकर आ सकता है। इस दौरान आपको सफलता मिल सकती है। आपके साहस में वृद्धि होगी। आप प्रामाणिक कार्यों में मग्न होंगे। अपने काम में नियंत्रण रखें। पॉइंट्स से जुड़े मामलों हल हो सकते हैं।

कुंभ राशि- कुंभ राशि वालों को सूर्य गोचर के प्रभाव से किसी रिश्तेदार की ओर से भ्रम समाप्त मिल सकता है। आप अपनी के साथ ज्यादा समय बिताएंगे। कोर्ट-कचहरी से जुड़े मामलों में फैसला आपके हित में आ सकता है। इस अवधि में किसी को भी पैसे उधार न दें, वरना आर्थिक नुकसान हो सकता है।

ध्रुव तारा (कहानी)

राजा उत्तानपाद ब्रह्मा जी के पुत्र मनु के पुत्र थे। उनका विवाह एक बहुत ही सुंदर कन्या से हुआ था जिनका नाम सुनीति था। राजा अपनी पत्नी से बहुत प्रेम करते थे लेकिन उन्हें कोई संतान नहीं थी इसलिए रानी ने राजा को दूसरा विवाह करने को कहा। राजा अपनी पत्नी से बहुत प्रेम करते थे इसलिए उन्होंने मना कर दिया और कहा कि दूसरी पत्नी के आने से तुम्हारा स्थान कम हो जायेगा जिस पर सुनीति ने कहा मुझे आप पर विश्वास है ऐसा नहीं होगा। राजा को सुनीति की हठ माननी पड़ी और उन्होंने दूसरा विवाह कर लिया। उनकी दूसरी पत्नी का नाम सुरचि था। विवाह के बाद जब सुरचि महल आई। तब उसे राजा की पहली पत्नी के बारे में पता चला। यह जानने के बाद सुरचि ने उत्तानपाद से कहा - जब तक आपकी पहली पत्नी वन प्रस्थान नहीं करेगी तो महल में प्रवेश नहीं करेगी। यह सुनकर सुनीति स्वयं ही राज महल त्याग कर वन में रहने चली गईं। कुछ समय बाद, राजा शिकार के लिए वन में जाते हैं और घायल हो जाते हैं। यह बात जब सुनीति को पता चलती है तो वो राजा को अपनी कुटिया में लाकर उनका उपचार करती है। राजा कई दिनों तक अपनी पहली पत्नी के साथ रहते हैं। उस दौरान सुनीति गर्भवती हो जाती है और उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है। जिसका नाम ध्रुव रखा जाता है। जिसके बारे में राजा को ज्ञात नहीं रहता। कुछ दिनों, बाद राजा अपने महल चले जाते हैं। वहीं भी रानी सुरचि को पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है जिसका नाम उत्तम रखा जाता है। कुछ समय बाद राजा उत्तानपाद को ध्रुव के बारे में पता चलता है वो रानी सुनीति को महल में आने का आग्रह करते हैं लेकिन वो नहीं आती। ध्रुव को कभी - कभी महल भेज दिया करती। यह सब देख रानी सुरचि को ध्रुव से घृणा होने लगती है। एक दिन ध्रुव अपने पिता उत्तानपाद की गोद में बैठता है। यह देख रानी सुरचि को क्रोध आ जाता है और वो उसे धक्का देकर अपशब्द कहती है और उसे छोड़ी हुई स्त्री का पुत्र कहकर अपमानित करती है। नन्हा ध्रुव कुटिया में आकर माँ को पूरा घटनाक्रम सुनाता है। तब माता सुनीति उसे समझाती है - बेटा अगर कोई बुरा कहे तो उसके बदले में उसे बुरा मत कहो। इससे तुम्हें ही हानि होगी। अगर तुम अपने पिता की गोद में सह सम्मान बैठना चाहते हो तो भगवान विष्णु की उपासना करो वो जगत पिता हैं। अगर बैठना है तो उनकी गोद में बैठो। बालक ध्रुव के मन में यह बात बैठ जाती है और वह यही भाव लिए यमुना तट पर नहाने जाता है। वहाँ उसकी मनोदशा जानकर नारद मुनि आते हैं और वो ध्रुव को भगवान की भक्ति की विधि बताते हैं जिसे जानने के बाद ध्रुव कभी तपस्या में लीन हो जाता है। कई महीने तक खड़े होकर तपस्या करता है। कभी जल में तपस्या करता है तो कभी एक ऊँगली पर खड़े रहकर निरंतर ओम नमो वासुदेवाय का जाप पूरे ब्रह्मांड में गुंजने लगता है। नन्हे से बालक की इस धीर तपस्या को देखा भगवान उसे दर्शन देते हैं। बालक ध्रुव भाव विभोर हो उठता है और कहता है मुझे माता, पिता की गोद में बैठने नहीं देती। भगवान ध्रुव को कही है कि आप इस श्रृष्टि के पिता हैं। अतः मुझे आपकी गोद में बैठना है। भगवान उसकी इच्छा पूरी करते हैं और उसे तारा बनने का आशीर्वाद देते हैं जो कि सप्त रश्मियों से भी ज्यादा श्रेष्ठ होगा। उस दिन से आज तक आसमान में उत्तर दिशा की ओर ध्रुव तारा चमक रहा है।



प्रभाती लाल सैनी



विकास सैनी का जीएसटी इन्स्पेक्टर के पद पर हुआ चयन

छत्तीसगढ़ (संस्कार सृजन)। नगर के विकास सैनी का जीएसटी इन्स्पेक्टर के पद पर चयन हुआ है। विकास ने सीजीएल परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 839 वीं और जीएसटी में 286 भी रैंक हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि पर नगर में खुशी का माहौल है। विकास कृष्ण कुमार सैनी के पुत्र हैं। विकास ने नगर के सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल से 12वीं तक की पढ़ाई करने के बाद भिलाई से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन में बीई की डिग्री ली है।



उन्होंने बिना किसी कोचिंग के यह सफलता हासिल की है। विकास ने कड़ी मेहनत को अपनी सफलता का मूल मंत्र बताया है। विकास ने कहा कि छात्रों को संयम एवं लगन से अपने लक्ष्य पर फोकस करना चाहिए क्योंकि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। सैनी की इस सफलता पर वर्तमान विधायक इंदु कुमार साहू, पूर्व विधायक धनेंद्र साहू, पालिका अध्यक्ष धनराज मथ्यानी, रतिराम साहू, प्रसन्न शर्मा आदि लोगों ने बधाई दी।

विभिन्न वेब सीरीज में नजर आ रही एक्ट्रेस मीनाक्षी परमार वासवानी

जयपुर (संस्कार सृजन)।

जयपुर निवासी एक्ट्रेस मीनाक्षी परमार वासवानी विभिन्न वेब सीरीज और सीरियल में नजर आ रही हैं। जानकारी के अनुसार मीनाक्षी परमार का दूसरी मां सीरियल बहुत ही शानदार चल रहा है। साथ ही अभी अमेज़ॉन प्राइम पर नई वेब सीरीज रिलीज हुई है जिसका निर्देशन नवदीप सिंह ने किया है। गौरतलब है कि मीनाक्षी परमार वासवानी ने अब तक कई हिंदी, राजस्थानी फिल्मों, सीरियल और वेब सीरीज में काम किया है।



द प्यूर ऑफ ट्रेनिंग वर्कशॉप में स्टूडेंट्स ने दिखाया टैलेंट

जयपुर (नि.सं.)। अपेक्ष युनिवर्सिटी के फेशन एंड डिजाइनिंग डिपार्टमेंट की ओर से तीन दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। जिसकी थीम द प्यूर ऑफ ट्रेनिंग रखी गई, जिसमें अपेक्ष, पोद्दार, वीजीयू, जेडसीआरसी सहित अन्य कॉलेज और युनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। वर्कशॉप में अनुयोगी सामग्री को फेशन के माध्यम से उपयोग करने पर जोर दिया गया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने वेस्ट मटेरियल के उपयोग से कई प्रकार की ड्रेस तैयार की। इस दौरान विद्यार्थियों ने फेशन शो भी किया। प्रतियोगिता के दौरान विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए गए। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में संजय चौधरी डायरेक्टर एंड हेड, सिएट नीरज शर्मा सीनियर फैकल्टी डिजाइनिंग डिपार्टमेंट ऑफ वनस्थली युनिवर्सिटी, विक्रम जोशी मैनेजिंग डायरेक्टर टेक्सटाइल पार्क, तपन शर्मा, डिप्टी डायरेक्टर वीविंग सर्विस सेन्टर, शशि चौधरी, सीनियर एनवायरनमेंट इंजीनियर, राजस्थान स्टेट पोल्युशन कंट्रोल बोर्ड शाहिद सहित कई लोगों ने भाग लिया।

वीर हनुमान जी के रोप-वे के पुनः संचालन को लेकर रामलाल शर्मा ने लिखा ज़िला कलेक्टर को पत्र

जयपुर (संस्कार सृजन)। विधानसभा क्षेत्र चौमूं से भाजपा प्रत्याशी रामलाल शर्मा ने जिला कलेक्टर जयपुर को पत्र लिखकर श्री वीर हनुमान जी सामोद में लगे रोप वे के पुनः संचालन के लिए पत्र लिखा। पत्र के माध्यम से बताया कि अरावली पर्वतमाला पर स्थित सामोद वीर हनुमान जी मंदिर लाखों श्रद्धालुओं का आस्था का केंद्र है तथा अपने इष्ट देव के दर्शनों के लिए सैकड़ों श्रद्धालु रोजाना यहाँ आते हैं। वीर हनुमान जी का मंदिर पहाड़ी पर स्थित होने के कारण लगभग 11 सी सीडियों की चढ़ाई करनी पड़ती है। निःशकज, बड़े बुजुर्गों को वीर हनुमान जी



के सुगम दर्शनों के लिए 28 अप्रैल 2016 को रोप वे का निर्माण कार्य शुरू किया गया। जिसका निर्माण कार्य 15 सितंबर 2018 में

पूर्ण हुआ और तत्पश्चात 24 मई 2019 को रोपवे का विधि विधान से शुभारंभ किया गया, परंतु एक माह बाद ही 28 जून 2019 को रोपवे संचालन पर रोक लगा दी गई थी। भाजपा प्रत्याशी रामलाल शर्मा ने जिला कलेक्टर से माँग की है कि सामोद वीर हनुमान जी के लगे रोप-वे की कमी खामियों को कंपनी से छह महीनों में दूर करने की अंडरटेकिंग लेकर चालू करने की अनुमति प्रदान कर अतिशीघ्र चालू करें। रामलाल शर्मा ने कहा कि क्षेत्र की जनसमस्याओं के लिए निरंतर प्रयासरत रहूँगा और सकारात्मक राजनीति के साथ चौमूं के विकास को गति देने का प्रयास करूँगा।

अच्छाई संस्था ने वैशाली नगर कच्ची बस्ती में मनाया स्पोर्ट्स डे

जयपुर (संस्कार सृजन)। अच्छाई संस्था द्वारा वैशाली नगर विनोबा भावे नगर स्थित कच्ची बस्ती स्थित में बच्चों के साथ स्पोर्ट्स डे मनाया गया। संस्था अध्यक्ष विनीत शर्मा ने बताया बस्ती के बालक बालिकाओं महिलाओं को नियमित पढ़ाने के साथ खेल, नृत्य, चित्रकला, आत्म सुरक्षा, सफाई आदि कौशल गुणों को बढ़ाने का प्रयास रहता है। खेलकूद में भाग लेने वाले सभी बच्चों को प्रोत्साहन के लिए पुरस्कार दिए गए। कबड्डी में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए बालिका आफरीन, फुटबाल में बालक लवकुश और दौड़ में बालक आकाश को विशेष रूप से पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सुनीता शर्मा की तरफ से पुरस्कार प्रदान किया गए। इस कार्य में विनीत शर्मा, अनु शर्मा, सुनीता शर्मा आदि ने सहयोग दिया।



7 हजार लोगों को निर्माण, जिनमें 3 हजार VVIP; कारसेवकों के परिजन भी आएँगे

सचिन, विराट, अमिताभ-अंबानी को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा में न्योता

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में बन रहे राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की जाएगी। इसके लिए 7000 लोगों को निर्माण भेजा जा रहा है। इसमें पीएम नरेंद्र मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत समेत 3 हजार VVIP के नाम हैं। लिस्ट में क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली का भी नाम है। इसके अलावा देशभर से 4000 साधु-संतों को बुलाया जा रहा है। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में सिनेमा जगत से कंगना रनौत, अभिनेता अमिताभ बच्चन, अध्यक्ष कुमार और सिंगर आशा भोसले को बुलाया है। देश के प्रमुख उद्योगपति मुकेश अंबानी, गोपम अडानी और रतन टाटा को भी न्योता भेजा

गया है। इसके अलावा मीडिया के लोगों को बुलाया गया है। श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया, प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए 50 देशों से एक-एक प्रतिनिधि को बुलाने का प्रयास है। 50 कारसेवक परिवार के लोगों को भी बुलाया गया है, जिन्होंने आंदोलन के दौरान जान गंवाई थी। न्यायाधीशों, वैज्ञानिकों और कवियों को इनविटेशन- विधि प्रवक्ता शरद शर्मा के अनुसार, हमने उन पत्रकारों को भी बुलाया है, जिन्होंने राम मंदिर की हमारी यात्रा में समर्थन किया। उनके (पत्रकारों) बिना राम मंदिर के लिए यह संघर्ष अधूरा था। इसके अलावा संतों, पुजारियों, शंकराचार्यों, धार्मिक नेताओं

और पूर्व सिविल सेवकों, सेवानिवृत्त सेना अधिकारियों, न्यायाधीशों, वकीलों, वैज्ञानिकों, कवियों, संगीतकारों और पद्यशी और पद्यभूषण से सम्मानित हस्तियों को भी निर्माण भेजे गए हैं। बार कोड वाले पास से मिलेगा VVIP को एंटी-VHP नेता शरद शर्मा ने कहा, 7 हजार आमंत्रित लोगों में लगभग 4,000 देशभर से धार्मिक नेता होंगे। शेष 3 हजार अलग-अलग क्षेत्रों से VVIP होंगे। समारोह से पहले आमंत्रित लोगों के साथ एक लिंक साक्षा की जाएगी। एक बार जब वे लिंक से रजिस्ट्रेशन कर लेंगे तो एक बार कोड आएगा। यही बार कोड एंटी पास के रूप में काम करेगा।

विधायक कार्यालय पर मनायी भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि

जयपुर (संस्कार सृजन)। भारतीय संविधान के शिल्पकार भारतरत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि पर आज कचौलिया रोड स्थित विधायक कार्यालय पर विधायक डॉ. शिखा मील बराला के सान्निध्य में क्षेत्रवासियों, पूर्वी ब्लॉक अध्यक्ष, कांग्रेस पाथ्रदाणों व कार्यकर्ताओं के साथ बाबा साहब अम्बेडकर को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने कहा कि बाबा साहब ने जीवनभर कमजोर, पिछड़े वर्ग व किसानों के उत्थान एवं समाज में व्याप्त कुरीतियों को मिटाने के लिए अहम कार्य किये हैं। बाबा साहब ने सामाजिक न्याय, एकता और समानता के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। उनके कार्य व विचार सदैव हमें प्रेरित करते रहेंगे। साथ ही इस अविस्मरणीय योगदान के लिए यह राष्ट्र सदैव कृतज्ञ रहेगा।

माली समाज में 25 दिसंबर को आयोजित होगी सामान्य ज्ञान, वाद विवाद एवं निबंध प्रतियोगिता

जयपुर (संस्कार सृजन)।

आज महात्मा ज्योतिबा फुले विकास संस्थान चौमूं की कार्यकारिणी की मीटिंग संस्थान अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद सिंगोदिया की अध्यक्षता में सैनी समाज सभा भवन चौमूं में हुई। बैठक में सर्व सम्मति से निर्णय हुआ कि आगामी 25 दिसंबर को सामान्य ज्ञान, वाद विवाद एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता हेतु विभिन्न व्यवस्थाएं दी गई तथा परीक्षा संयोजक महेंद्र कुमार जमालपुरिया को बनाया गया।

